janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

जन एक्सप्रेस

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

वर्ष: 14 | अंक: 106 | मूल्य: ₹ 3.00/- | पेज : 16 | गुरुवार | 26 जनवरी, 2023

स्लोगन प्रतियोगिता में छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

जन एक्सप्रेस, कानपुर नगर।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मानव विकास विभाग द्वारा राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर बुधवार को स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे सामुदायिक विज्ञान की बी.एस–सी. , एम.एस–सी., एवं पीएचडी की छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सुकृति, द्वितीय स्थान श्रेया मिश्रा, एवं तृतीय स्थान आयुषी मिश्रा ने प्राप्त किया। वहीं अंशिका यादव एवं पूर्णिमा को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता गृह विज्ञान संकाय एवं विभाग की प्रभारी डॉ. मुक्ता गर्ग, शिक्षिकाएं रेनू, डॉ. मधुलिका शर्मा, डॉ. सुमेधा चौधरी आदि मौजूद रहे।

रहस्य संदेश
RNI. NO. UPHIN/2007/20715
26, एटा से प्रकाशित, गुरूवार, 26 जनवरी, 2023 पृष्ठ: 8 मू

बदलते मौसम में फसलों की देखभाल जरूरी, कृषकों के प्रक्षेत्र पर दौरा कर दी सलाह- डा. खलील खान

(अनवर अशरफ कानपुर (रहस्य संदेश)चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसान भाइयों को एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि मौसम के हिसाब से फसलों की देखभाल बहुत जरूरी होती है।उन्होंने बताया कि बिन मौसम बरसात की वजह से मिट्टी में बहुत ज्यादा नमी आ जाती है।जिसके कारण कवक व जीवाणु जनित रोगों के होने की संभावना बढ़ जाती है।साथ ही कीड़ों के आक्रमण की भी संभावना बढ़ती है। इसके अतिरिक्त मिट्टी में पोषक तत्वों की कमी हो जाती है।जिसके कारण फसलों में पीलापन, पत्ते मुड़ना, फसल का समय से पहले मुरझाना,फलों का परिपक्व अवस्था में ही गिरना, फलों पर अनियमित आकार के धब्बे हो जाना आदि समस्याएं उत्पन्न हो जाती है। उन्होंने किसानों को सलाह देते हुए बताया कि कुछ कृषि कार्य करके फसलों को नुकसान से बचाया जा सकता है। डॉक्टर खान ने बताया की जल निकासी की उचित प्रबंधन के लिए फसल के किनारे एक फीट गहरी नाली खोद दें। ताकि पानी खेत में ज्यादा देर तक न ठहरे और जमीन जल्दी सूख जाए।उन्होंने सलाह दी।

बदलते मौसम में फसलों का कीड़ों से बचाव जरूरी

कानपुर, 25 जनवरी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसान भाइयों को एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि मौसम के हिसाब से फसलों की देखभाल बहुत जरूरी होती है।उन्होंने बताया कि बिन मौसम बरसात की वजह से मिट्टी में बहुत ज्यादा नमी आ जाती है जिसके कारण कवक व जीवाणु जनित रोगों के होने की संभावना बढ़ जाती है। साथ ही कीड़ों के आक्रमण की भी संभावना बढ़ती है। इसके अतिरिक्त मिट्टी में पोषक तत्वों की कमी हो जाती है।जिसके कारण फसलों में पीलापन, पत्ते मुड़ना, फसल का समय से पहले मुरझाना,फलों का परिपक्व अवस्था में ही गिरना, फलों पर अनियमित आकार के धब्बे हो जाना आदि समस्याएं उत्पन्न हो जाती है। उन्होंने किसानों को सलाह देते हुए बताया कि कुछ कृषि कार्य करके फसलों को नुकसान से बचाया जा सकता है। डॉक्टर खान ने बताया की जल निकासी की उचित प्रबंधन के लिए फसल के किनारे एक फीट गहरी नाली खोद दें, ताकि पानी खेत में ज्यादा देर तक न ठहरे और जमीन जल्दी सूख जाए। उन्होंने सलाह दी है कि जहां मटर, गेहूं,जौं एवं हरी सब्जियां खेतों में खड़ी हैं आसमान साफ होने पर रोगों से बचाव के लिए 300 ग्राम थायोफिनेट मिथाइल 70 प्रतिशत डब्ल्यूपी को 200 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें। साथ ही फसलों में इल्ली कीट दिखाई देने पर 100 मिलीलीटर लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 4.6 प्रतिशत क्लोरेंथा निलीप्रोल 9.3 प्रतिशत जेड सी दवा को 200 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर दें। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि बदलते मौसम में प्याज एवं लहसुन की फसल बहुत प्रभावित होती है। फसल के पत्ते पीले दिखाई देने लगते हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए कासुगामाईसिन 5 प्रतिशत कॉपर ऑक्सिक्लोराइड 45प्रतिशत डब्ल्यूपी 300 ग्राम प्रति एकड़ खेत में 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना उपयोगी रहता है। उन्होंने किसानों से अपील की है कि बदलते मौसम में फसलों की देखभाल कर अपनी फसल को नुकसान से बचा सकते हैं।

फसलों का निरीक्षण करते वैज्ञानिक डा.खलील खान।

■ कृषकों के प्रक्षेत्र पर वैज्ञानिकों की टीम ने किया निरीक्षण

रहस्य संदेश

RNI. NO. UPHIN/2007/20715

26, एटा से प्रकाशित, गुरूवार, 26 जनवरी, 2023 पृष्ठ: 8 मूल

सीएसए में राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर हुई स्लोगन प्रतियोगिता

(अनवर अशरफ) कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के मानव विकास विभाग द्वारा राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे सामुदायिक विज्ञान की बी. एस–सी. , एम.एस–सी., एवं पीएचडी की छात्रायों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया । इस स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सुकृति, द्वितीय स्थान श्रेया मिश्रा, एवं तृतीय स्थान आयुषी मिश्रा को मिला। अंशिका यादव एवं पूर्णिमा को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता गृह विज्ञान संकाय एवं विभाग की प्रभारी डॉ . मुक्ता गर्ग, शिक्षिकाएं श्रीमती रेनू, डॉ मधुलिका शर्मा, डॉ. सुमेधा चौधरी आदि भी उपस्थित रही।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर हुई स्लोगन प्रतियोगिता

पोस्टर दिखातीं छात्राएं।

कानपुर, 25 जनवरी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के मानव विकास विभाग द्वारा राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे सामुदायिक विज्ञान की बी.एस-सी. , एम.एस-सी., एवं पीएचडी की छात्रायों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया । इस स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सुकृति, द्वितीय स्थान श्रेया मिश्रा, एवं तृतीय स्थान आयुषी मिश्रा को मिला। अंशिका यादव एवं पूर्णिमा को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता गृह विज्ञान संकाय एवं विभाग की प्रभारी डॉ . मुक्ता गर्ग, शिक्षिकाएं श्रीमती रेनू, डॉ मधुलिका शर्मा, डॉ. सुमेधा चौधरी आदि भी उपस्थित रही।

WORLD खबर EXPRESS

WORLD
खबर एक्सप्रेस

बुधवार 25 जनवरी, 2023 | अंक - 371

www.worldkhabarexpress.media
www.worldkhabarexpress.com

www.twitter.com/worldkhabarexpress www.facebook.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress MID DAY

बदलते मौसम में फसलों की देखभाल जरूरीः डॉ. खलील खान

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसान भाइयों को एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि मौसम के हिसाब से फसलों की देखभाल बहुत जरूरी होती है।उन्होंने बताया कि बिन मौसम बरसात की वजह से मिट्टी में बहुत ज्यादा नमी आ जाती है।जिसके कारण कवक व जीवाणु जनित रोगों के होने की संभावना बढ़ जाती है।साथ ही कीड़ों के आक्रमण की भी संभावना बढ़ती है। इसके अतिरिक्त मिट्टी में पोषक तत्वों की कमी हो जाती है।जिसके कारण फसलों में पीलापन, पत्ते मुड़ना, फसल का समय से पहले मुरझाना,फलों का परिपक्व अवस्था में ही गिरना, फलों पर अनियमित आकार के धब्बे हो जाना आदि समस्याएं उत्पन्न हो जाती है। उन्होंने किसानों को सलाह देते हुए बताया कि कुछ कृषि कार्य करके फसलों को नुकसान से बचाया जा सकता है। डॉक्टर खान ने बताया की जल निकासी की उचित प्रबंधन के लिए फसल के किनारे एक फीट गहरी नाली खोद दें। ताकि पानी खेत में ज्यादा देर तक न ठहरे और जमीन जल्दी सूख जाए।उन्होंने सलाह दी है कि जहां मटर, गेहूं,जौं एवं हरी सब्जियां खेतों में खड़ी हैं आसमान साफ होने पर रोगों से बचाव के लिए 300 ग्राम थायोफिनेट मिथाइल 70ब डब्ल्यूपी को 200 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें। साथ ही फसलों में इल्ली कीट दिखाई देने पर 100 मिलीलीटर लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 4.6 प्रतिशत+ क्लोरेंथानिलीप्रोल 9.3ब जेड सी दवा को 200 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर दें। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि बदलते मौसम में प्याज एवं लहसुन की फसल बहुत प्रभावित होती है। फसल के पत्ते पीले दिखाई देने लगते हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए कासुगामाईसिन 5 प्रतिशत+ कॉपर ऑक्सिक्लोराइड 45 प्रतिशत डब्ल्यूपी 300 ग्राम प्रति एकड़ खेत में 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना उपयोगी रहता है। उन्होंने किसानों से अपील की है कि बदलते मौसम में फसलों की देखभाल कर अपनी फसल को नुकसान से बचा सकते हैं।